

## डीआरटी अवलोकन प्रपत्र – टर्म 2

जिले का नाम

डीआरटी सदस्य का नाम

पद और कार्यरत संस्था

डीआरटी ग्रुप में जिम्मेदारी

अवलोकनकर्ता का नाम व पद

अवलोकन का दिनांक

नोट: शिक्षकों, एनपीआरसी, बीआरटी से बातचीत, डीआरटी द्वारा किए गए अवलोकनों के विश्लेषण के और डीआरटी मेंबर से की गई बातचीत के बाद दिए गए इंडिकेटर के स्तर D, C, B या A पर टिक करें।

1. आधारभूत अकादमिक समझ है और उसका उपयोग करते हैं।			
A	B	C	D
पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या के अनुसार विविध प्रकार की विषयवस्तु के सहयोग से दक्षता विकास की समझ एवं कौशल शिक्षकों, बीआरसी एवं सीआरसी में विकसित करते हैं। प्रशिक्षणों, बैठकों, फील्ड विजिट और आनलाईन सपोर्ट के जरिए बच्चों तक यह सुनिश्चित करते हैं।	प्रशिक्षण में शिक्षकों को पाठ्यक्रमानुसार पढ़ाने, लक्ष्य निर्धारण करने तथा गतिविधि एवं टीएलएम के साथ पढ़ाने में मदद करते हैं। बीआरटी और एनपीआरसी के साथ व स्वयं विजिट कर इसका फालोअप करते हैं।	प्रशिक्षण कार्यशालाओं करिकुलम, पेडागाजी और पाठ्यपुस्तकों की चर्चा करते हैं। टीएलएम बनवाने पर जोर देते हैं। कक्षाओं में प्रशिक्षण के अनुसार पढ़ाने के लिए पहल करते हैं। प्लानिंग करते हैं।	करिकुलम, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों के बारे में कुछ जानकारी है। पेडागॉजी और टीएलएम की बातें भी करते हैं। प्रशिक्षणों में इन व्याख्यान देते हैं। प्लानिंग और इंप्लीमेंटेशन की कोई पहल नहीं है।
2. अपने जिले की शैक्षिक गुणवत्ता के मुद्दों की समझ है, उसके आधार पर जिले की शैक्षिक गुणवत्ता सुधार की योजना बनाते हैं।			
A	B	C	D
स्कूल, सीआरसी, बीआरसी की मदद से शैक्षिक सुधार की योजना बनाते हैं तथा उसे मिलजुलकर लागू करते हैं। शिक्षकों की समस्याओं के बारे में सीआरसी, बीआरसी स्तर से प्राप्त सुझावों आधार पर शैक्षिक सुधार की योजना बनाते हैं और मिलजुलकर उसका फालोअप करते हैं।	स्कूल, सीआरसी, बीआरसी स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता सम्बंधी अच्छाइयों और कमजोरियों की जानकारी है। क्षेत्र की आवश्यकता और मांग के अनुसार योजना बनाते हैं और उसे लागू करने का प्रयास करते हैं।	जिले की शैक्षिक गुणवत्ता की कुछ समझ रखते हैं। बीआरसी या सीआरसी पर क्या-क्या अच्छा है, जैसी समझ है। उसी के अनुसार योजना बनाते हैं।	जिले के बारे में सामान्य भौतिक जानकारी है। पूछने पर – अमुक स्कूल, अमुक बीआरसी या सीआरसी अच्छा है, जैसी बातें करते हैं। शैक्षिक सुधार के प्रयासों के बारे में उदासीन हैं।
3. ब्लाक, संकुल और स्कूल स्तर पर कार्यरत विविध स्तर के शैक्षिक अभिकर्मियों से सहयोगात्मक सम्बन्ध बनाने में समर्थ हैं।			
A	B	C	D
हर स्तर पर समता और बराबरी के सम्बन्ध हैं। बीआरसी, सीआरसी तथा शिक्षकों को अपेक्षित सहयोग एवं प्रेरणा प्रोत्साहन देते हैं।	सभी से एक समान व्यवहार करते हैं। बीआरसी, सीआरसी प्रभारियों तथा शिक्षकों से शैक्षिक गुणवत्ता सम्बन्धन की दृष्टि से सहयोग करने का प्रयास करते हैं।	कुछ परिचित चेहरों से अधिक काम लेते हैं। सभी शिक्षकों, बीआरसी, सीआरसी तक पहुँच नहीं है। सूचनाओं एवं कार्यक्रमों के लिये सहयोग लेते हैं।	सम्बन्ध बनाने में सक्षम हैं। ब्लाक, संकुल और कुछ शिक्षकों से अच्छे सम्बन्ध हैं पर वे केवल हाचलचाल तक सीमित हैं।
4. फील्ड विजिट कर फालोअप और सपोर्ट करते हैं।			
A	B	C	D
शैक्षिक गुणवत्ता विकास हेतु योजना बनाकर बी आरसी, सीआरसी के साथ स्कूल विजिट करते हैं। अपेक्षित सहयोग, सुझाव देते हैं। रिकार्ड रखते हैं और उसका विश्लेषण कर अगला कदम उठाते हैं।	स्कूलों के सुधार के लिए विजिट की योजना बनाते हैं। फालोअप करने में बीआरसी, सीआरसी का सहयोग कर रहे हैं। स्वयं भी स्कूलों, सीआरसी, बीआरसी का नियमित विजिट करते हैं।	बीआरसी, सीआरसी की मदद से फालोअप प्रोग्राम का प्रयास करते हैं। परन्तु कोई योजना नहीं।	कभी-कभार नजदीक के बीआरसी, सीआरसी एवं विद्यालयों का विजिट करते हैं पर इसके लिए कोई योजना नहीं बनाते हैं और न ही इसका फालोअप करते हैं।
5. शिक्षा से जुड़े विविध स्तर (बच्चे, स्कूल, सीआरसी, बीआरसी) के प्रदर्शन मानकों से सम्बन्धित डाटा का संकलन करते हैं और उसका विश्लेषण करते हैं।			
A	B	C	D
विविध स्तर प्रदर्शन मानकों से सम्बन्धित डाटा संकलन करते हैं और उसका विश्लेषण भी किया जाता है। निष्कर्षों का अगली योजना में शामिल करते हैं तथा उसका नियमित	अधिकांश स्कूलों में बीआरसी, सीआरसी से सम्बंधित डाटा संकलन करते हैं। विश्लेषण का प्रयास भी करते हैं। प्राप्त संकेतों के अनुसार अगला	स्कूल, बीआरसी, सीआरसी स्तर के प्रदर्शन मानकों से सम्बन्धित डाटा संकलन की कोशिश करते हैं, परन्तु कुछ ही स्कूलों या कुछ ही	कभी कभार बच्चों के प्रदर्शन से सम्बन्धित डाटा का संकलन किया जाता है। परन्तु उसका न तो विश्लेषण होता है और न ही आगे कोई उपयोग किया

फालोर होता है।	कदम उठाने की कोशिश करते हैं।	क्षेत्र का। संकलित डाटा का विश्लेषण और उसका उपयोग नहीं किया जाता है।	जाता है। शिक्षक प्रदर्शन के बारे में किसी प्रकार का डाटा संकलन नहीं होता।
----------------	------------------------------	--	---

**स्तर 1**

6. एक ऐसे माडल का विकास और क्रियान्वयन करते हैं जिसमें प्रशिक्षण, मानीटरिंग और फील्ड वर्क के दौरान बीआरसी, एनपीआरसी और शिक्षक एक दूसरे को नियमित सुनते हैं।

A	B	C	D
विविध सवालों के जरिए शिक्षकों को एनपीआरसी, एनपीआरसी को बीआरसी और बीआसी का डीआरटी नियमित सुनते हैं, बैठकों में सभी को अपने अनुभव साझा करने का समय मिलता है। सभी की राय मांगते हैं उस अनुसार प्लान करते हैं।	बीआरसी, एनपीआरसी और शिक्षकों से जब भी मिलते हैं उनके पिछले कार्य अनुभवों के बारे में धैर्यपूर्वक सुनते हैं उनको सवालों के लिए प्रोत्साहित करते हैं।	बीआरसी, एनपीआरसी और शिक्षकों से कभी-कभी उनके काम के बारे में पूछताछ करते हैं। अपनी ओर से कोई न कोई कार्य बताते रहते हैं।	बीआसी, एनपीआरसी या शिक्षकों से जब मिलते हैं उन्हें कोई न कोई निर्देश, सुझाव देते रहते हैं। उनके बारे निराशापूर्ण टिप्पणियां करते हैं।

7. बच्चों के लिए रोचक तरीके से नई पठन सामग्री के पढ़ने की शुरुआत कराने के लिए विचारों और पढ़ी गई सामग्री पर चर्चा के लिए तर्क सम्बन्धी प्रश्नों का संकलन बनाते हैं और इसे एनपीआरसी तथा शिक्षकों से साझा करते हैं।

A	B	C	D
नई किताबों के परिचय और उन पर चर्चा के लिए तर्क आधारित सवालों का संकलन बनाये हैं जिसे बीआरसी और एनपीआरसी से समय-समय पर साझा करते हैं, उनके साथ प्लान करते हैं जिससे शिक्षक इसे इसे कक्षाओं में लागू कर सकें।	लाईब्रेरी की अन्य किताबों के प्रयोग को प्रोत्साहित करते हैं। नई किताबों के परिचय के लिए बीआसी, एनपीआरसी व शिक्षकों को कुछ तरीके सुझाते हैं। बीआरसी, एनपीआरसी की मदद से इसे स्कूलों में लागू कराते हैं।	पाठ्यपुस्तकों और अभ्यास पुस्तक के साथ-साथ कभी-कभार लाईब्रेरी के पुस्तकों के प्रयोग की सलाह देते हैं। बीआरसी, एनपीआरसी को कहते हैं कि पढ़ी गई पुस्तकों पर बच्चों से पुछताछ के लिए शिक्षकों को कहा करें।	बीआरसी और एनपीआरसी से कहते हैं कि वे शिक्षकों से निर्धारित अवधि में कोर्स पूरा कराएं। पाठ्यपुस्तक के शिक्षण और दिए गए सवालों के हल पर कराने पर जोर देते हैं।

8. गणित शिक्षण को रुचिकर बनाने के लिए बच्चों के दैनिक अनुभवों और परिवेशीय ठोस सामग्री के प्रयोग के विविध उदाहरणों के साथ बीआरटी, एनपीआरसी और शिक्षकों का समर्थन करते हैं।

A	B	C	D
गणितीय अवधारणाओं की समझ के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण व ठोस सामग्री के प्रयोग का बीआरटी, एनपीआरसी व शिक्षकों के समक्ष प्रदर्शन करते हैं, शिक्षकों के साथ ऐसा करने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को प्रशिक्षित करते हैं।	गणितीय अवधारणाओं के परिचय के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण व ठोस सामग्री के प्रयोग के सुझाव देते हैं बीआरटी व एनपीआरसी को देते हैं तथा से सुझाव शिक्षकों तक पहुंचाने में उनकी मदद करते हैं।	गणित की नई अवधारणाओं के परिचय के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को विविध प्रकार के उदाहरणों का प्रयोग करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने को कहते हैं।	गणित में अधिक से अधिक सवालों को हल कराने पर जोर देने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को कहते हैं तथा यही सुझाव शिक्षकों तक पहुंचाने के लिए उनको निर्देशित करते रहते हैं।

**स्तर 2**

9. सीखने के उद्देश्यों से जुड़ी और स्थानीय सन्दर्भयुक्त विविध गतिविधियों के उदाहरण सहित शिक्षण योजना और शिक्षक समर्थन योजना के नमूने के साथ बीआरटी और एनपीआरसी को मदद करते हैं कि वे शिक्षकों को ऐसी ही योजना बनाने और उसे लागू करने में मदद करें।

A	B	C	D
बीआरटी और एनपीआरसी के साथ नियमित बैठककर विविध रोचक और स्थानीय सन्दर्भयुक्त युक्त उदाहरणों को उनके योजना में सम्मिलित करा उसे शिक्षकों तक पहुंचाने में मदद करते हैं, लागू करने के दौरान उनका सतत समर्थन करते हैं।	शिक्षकों की शिक्षण योजना बनाते समय विविध स्थानीय सन्दर्भ युक्त उदाहरणों के बीआरटी और एनपीआरसी के माध्यम से उनकी मदद करते हैं। बीआरटी और एनपीआसी को फालोअप योजना बनाने में सहयोग करते हैं।	बीआरटी और एनपीआरसी को योजना बनाने में मदद करते हैं कि वे शिक्षकों के साथ यही कार्य करें। उनको अपनी योजना अनुसार कार्य करने में सहयोग करते हैं।	शिक्षकों को योजना बनाकर शिक्षण और बीआरटी और एनपीआरसी को योजना बनाकर सपोर्ट के लिए निर्देश और सुझाव देते हैं।

10. प्रशिक्षण और फील्ड विजिट के दौरान बीआरटी और एनपीआरसी को मौलिक और रचनात्मक लेखन के विविध अभ्यास कराए जाते हैं जिससे वे यही अभ्यास शिक्षकों के साथ करें, बच्चों के साथ ऐसे अभ्यास कराने में शिक्षकों का समर्थन करें।

A	B	C	D
बच्चों के स्वतंत्र और मौलिक लेखन के विविध उदाहरण बीआरटी और एनपीआरसी से साझा करते हैं तथा उनसे इस प्रकार के अभ्यास शिक्षकों से बच्चों के साथ कराने पर जोर देते हैं। विजिट व बैठकों में इसका फालोअप करते हैं।	शिक्षकों द्वारा बच्चों को अपने मन से सोचकर लिखने का अभ्यास कराने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को कहते हैं तथा इस बारे में उनको प्रोत्साहित व मदद करते हैं।	बीआरटी और एनपीआरसी को सुझाव देते हैं कि वे शिक्षकों से कहें कि वे पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर बच्चों को स्वयं खोजकर लिखने और याद कराने के अभ्यास कराएं।	बीआरटी और एनपीआरसी से इस बात पर जोर देते हैं कि वे शिक्षकों से पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाएं और उनको याद करवाएं।

11. गणितीय भाषा की समझ और उसके विविध उपयोग के बारे में बीआरटी और एनपीआरसी को इस रूप में इनपुट प्रदान किया जाता है कि वे इसे शिक्षकों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से कक्षाओं में लागू कराएं।			
A	B	C	D
गणितीय भाषा की समझ के लिए विविध प्रकार के तार्किक सवालों और उदाहरणों को एनपीआरसी और बीआरटी के प्लान में सम्मिलित कराते हैं शिक्षकों तक इसे पहुंचाने में उनका सपोर्ट करते हैं। बीआरटी और एनपीआरसी के साथ इसका नियमित फालोअप करते हैं।	गणितीय भाषा की समझ के लिए प्लान में विविध उदाहरण सम्मिलित करने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को सुझाव देते हैं तथा शिक्षकों तक इसे पहुंचाने के लिए निर्देशित करते हैं।	शिक्षकों से गणित पाठ्यपुस्तक में दिए गए लर्निंग आउटकम के अनुसार प्लान व शिक्षण के लिए बीआरटी और एनपीआसी के माध्यम से उनको निर्देशित कराते हैं	बीआरटी और एनपीआरसी के माध्यम से शिक्षकों से पाठ्यपुस्तक पूरा करने की प्लानिंग करने और उस अनुसार शिक्षण करने के लिए निर्देश देते हैं।
<b>स्तर 3</b>			
12. डीआरटी द्वारा शैक्षिक मुद्दों की पहचान और उनमें सुधार हेतु बीआरटी व एनपीआरसी को सपोर्ट करने के लिए के अपने जिले के आकलन सम्बन्धी विविध स्रोतों के डाटा का उपयोग किया जाता है। बीआरटी और एनपीआरसी को प्रशिक्षित करते हैं कि वे ब्लाक और संकुल स्तरीय डाटा का विश्लेषण कर उसका उपयोग अपने क्षेत्र के शैक्षिक सुधार के लिए करें।			
A	B	C	D
जिले के स्कूलों के आकलन के रिकार्ड का विश्लेषण कर बीआरटी और एनपीआरसी से शैक्षिक सुधार की योजना बनवाते हैं, बीआरटी और एनपीआरसी को अपने क्षेत्र के डाटा विश्लेषण और नियोजन के लिए प्रशिक्षित करते हैं। पीछे पड़ रहे स्कूलों की मदद के लिए उनकी योजना में रोचक तरीके सम्मिलित कराते हैं, इसका फालोअप करते हैं।	जिले के स्कूलों के बच्चों के आकलन के रिकार्ड का बीआरटी और एनपीआसी के साथ मिलकर विश्लेषण कराते हैं और उस अनुसार पीछे पड़ रहे बच्चों की मदद के लिए एनपीआरसी व बीआरटी को शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के सुझाव देते हैं।	स्कूलों में बच्चों के आकलन के अनुसार शिक्षण करने और उसके फालोअप के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को निर्देशित करते हैं और शिक्षकों के साथ इस बात का फालोअप करने के लिए कहते हैं। पीछे पड़ रहे बच्चों को अलग से पढ़ाने को कहते हैं।	बच्चों का नियमित आकलन करने और किए गए आकलन का रिकार्ड मंटेन कराने पर विशेष जोर देते हैं। बीआरटी और एनपीआरसी की मदद से इसका फालोअप कराते हैं।
13. पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित विविध विधाओं की गहरी समझ के लिए हर माह की जाने वाली गतिविधियों के बारे में बीआरटी और एनपीआरसी से चर्चा करते हैं तथा अगली मीटिंग में फालोअप करते हैं कि शिक्षक क्या सफलतापूर्वक कर पाए।			
A	B	C	D
पाठ्यपुस्तक के आलवा विविध विधाओं की अन्य रचनाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को उदाहरण सहित सुझाव देते हैं कि वे ऐसे ही शिक्षकों को प्रशिक्षित करें। इसका फालोअप व सपोर्ट करते हैं।	बैठकों में पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी को उदाहरण सहित समझाते हैं और कहते हैं कि शिक्षकों को इस बारे में प्रशिक्षित करें।	बैठकों में पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ मौखिक और लिखित अभ्यास को पूरा कराने बीआरटी और एनपीआरसी के माध्यम से शिक्षकों तक निर्देश और सुझाव पहुंचाते हैं। बीआरटी, एनपीआरसी से इसके फालोअप के लिए निर्देश देते हैं।	बैठकों में या विजिट के दौरान भाषा की पाठ्यपुस्तक में दिए गए सवालों का उत्तर लिखवाने और उन्हें याद कराने पर जोर देने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी के द्वारा शिक्षकों का को निर्देश देते हैं।
14. विविध प्रकार के डाटा के प्रयोग के साथ तार्किक चिन्तन को बढ़ावा देने वाली, स्थानीय सन्दर्भ के उपयुक्त और पढ़ाए जाने वाले पाठों से सम्बन्धित गणितीय प्रब्लेम साल्विंग की गतिविधियों का संकलन बनाते हैं, इन गतिविधियों को कक्षा में किए जाने वाले तरीकों पर बीआरटी और एनपीआरसी का ओरिएंटेशन करते हैं, शिक्षकों और एनपीआरसी व बीआरटी के अनुभवों पर फीडबैक लेते हुए सतत फालोअप और समर्थन करते रहते हैं।			
A	B	C	D
विविध प्रकार के डाटा का उपयोग कर गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास तथा उनको करने के तरीकों के बारे में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने तथा इसके नियमित फालोअप के लिए बीआरटी और एनपीआरसी की मदद करते हैं।	गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित विविध प्रकार के प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास बीआरटी और एनपीआरसी से साझा कर उन्हें शिक्षकों तक पहुंचाने और बच्चों के साथ करने को कहते हैं।	पाठ्यपुस्तक में विविध गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग के अभ्यास कराने के लिए बीआरटी और एनपीआसी के माध्यम से शिक्षकों को सुझाव देते हैं।	गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित अधिक से अधिक सवालों को हल कराने के लिए बीआरटी और एनपीआरसी के माध्यम से को निर्देशित करते हैं।